सऊदी अरब-रियाज़
इस्लामी आमन्त्रण एंव निर्देश कार्यालय
रब्वा
1430-2009

islamhouse.com

खाने पीने के बरतनों पर क़ुर्आन की कुछ आयतें लिखाने का हुक्म

[*हिन्दी*]

शैख़ मुहम्मद बिन सालेह अल-उसैमीन रहिमहुल्लाह

अनुवादः अताउर्रहमान ज़ियाउल्लाह

All islamhouse.com rights are open

بسم الله الرحمن الرحيم

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

मैं अति मेहरबान और दयालु अल्लाह के नाम से आरम्भ करता हूँ।

हर प्रकार की प्रशंसा सर्व जगत के पालनहार अल्लाह तआला के लिए योग्य है, तथा अल्लाह की कृपा एंव शांति अवतरित हो अन्तिम संदेष्टा मुहम्मद पर, तथा आप के साथियों, आप की संतान और आप के मानने वालों पर।

इलाज के उद्देश्य से कुछ लोग क़ुरआन करीम की कुछ आयतों (उदाहरण के तौर पर आयतुल कुरसी) को बरतन पर लिखकर उस में पानी पीते हैं तथा कुछ लोग मिट्टी के बरतन पर आयतें लिखकर उसे पीस कर खाने के लिए देते हैं। इसी से संबंधित विषय में सऊदी अरब के एक महा विद्वान मुहम्मद बिन सालेह बिन उसैमीन रहिमहुल्लाह से पूछा गया यह एक प्रश्न हैं जो पाठकों की सेवा में प्रस्तुत किया जा रहा हैं, आशा है कि यह फत्वा कथित मस्अले के विषय में जानकारी प्राप्त करने में लाभदायक सिद्ध होगा। (अ.र.)

खाने पीने के बरतनों पर आयतुल–कुरसी आदि लिखने का हुक्म

प्रश्न :

क्या कुरआन करीम की कुछ आयतों, उदाहरण के तौर पर आयतुल कुरसी को इलाज के उद्देश्य से खाने-पीने के बरतनों पर लिखना जाईज़ है ?

उत्तर :

सब से पहले इस बात को जान लेना आवश्यक है कि अल्लाह तआला की पाक किताब इस बात से बहुत बुलंद व बाला और सर्वोच्च है कि हम उसकी इस हद तक तौहीन और अपमान करें। एक मोमिन का दिल इस बात को किस प्रकार गवारा कर सकता है कि वह अल्लाह की किताब और उस किताब की सबसे महान आयत : आयतुल कुरसी को खाने-पीने के किसी बरतन में लिख दे और फिर उसकी तौहीन होती रहे कि उसे घर में फेंक दिया जाए और बच्चे उसके साथ खेलते रहें? निःसन्देह ऐसा करना हराम है। जिस आदमी के पास ऐसे बरतन हों जिन में इस तरह की आयतें लिखी हों उसके लिए अनिवार्य है कि वह इन आयतों को मिटा दे, बरतन बनाने वाले के पास उसे ले जाए और उन से कहे कि वह उन्हें मिटा दें, और अगर ऐसा करना सम्भव न हो तो फिर वाजिब है किसी पाक स्थान पर गढ़ा खोद कर उस

में गाड़ दे। किन्तु इन बरतनों को घरों में इस प्रकार बाक़ी रखा जाए कि उनकी तौहीन होती रहे, बच्चे उन बरतनों से पियें और उनके साथ खेलते रहें तो इस प्रकार क़ुरआन मजीद को शिफा के प्राप्त करने के लिए प्रयोग करना सलफ सालेहीन रज़ियल्लाहु अन्हुम से साबित नहीं है।

अनुवादक
(अताउर्रहमान ज़ियाउल्लाह)*
atazia75@gmail.com

المملكة العربية السعودية – الرياض
المكتب التعاوني للدعوة والإرشاد وتوعية الجاليات بالربوة
٢٠٠٩م – ١٤٣٠هـ

islamhouse.com

﴿كتابة بعض آيات القرآن الكريم على أواني الطعام والشراب للتداوي بها﴾

« باللغة الهندية »

فضيلة الشيخ محمد بن صالح العثيمين رحمه الله

ترجمة: عطاء الرحمن ضياء الله

حقوق الطبع والنشر لعموم المسلمين